





Government of India

खान मंत्रालय

Ministry of Mines

भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान **Geological Survey of India Training Institute**

श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय कोयला एवं खान तथा संसदीय मामलों के कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार का 25 अगस्त, 2022 को भा.भू.स. प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद दौरा

Visit of Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Cabinet Minister for Parliamentary Affairs, Coal and Mines, Government of India to GSI Training Institute, Hyderabad on 25th August, 2022

<mark>श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय कोयला</mark> एवं खान तथा संसदीय मामलों के कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार ने 25 अगस्त <mark>2022 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद का पहला दौरा किया। माननीय श्री प्रल्हाद जोशी जी</mark> <mark>का श्री सीएच. वेंकटेश्वर राव, उप महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष, जीएसआईटीआई द्वारा जीएसआईटीआई परिसर में हार्दिक</mark> <mark>स्वागत किया गया। श्री संतोष कुमार त्रिपाठी, उप महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) एवं आरएमएच-IV, दक्षिणी</mark> <mark>क्षेत्र ने जीएसआई, दक्षिणी क्षेत्र की ओर से सम्मा</mark>नित किया; श्री सीएच. वेंकटेश्वर राव, उप महानिदेशक एवं प्रमुख मिशन-V ने जीएसआईटीआई की ओर से और डॉ. मैथ्यू जोसेफ, उप महानिदेशक ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रभाग एवं फील्ड प्रशिक्षण <mark>केंद्र की ओर से माननीय मंत्री जी का स्वागत एवं सम्मान किया। जीएसआई, दक्षिण क्षेत्र और जीएसआईटीआई के उप</mark> महानिदेशकगण और निदेशकगण का परिचय मंत्री जी को दिया गया। उप महानिदेशक एवं प्रमुख, मिशन-V ने मंत्री को <mark>जीएसआईटीआई का इतिहास सुनाया</mark>। जीएसआईटीआई और एसआर, जीएसआई के स्टाफ सदस्यों ने भी यात्रा के दौरान माननीय मंत्री को सम्मानित किया।

बाद में मंत्री ने प्रशिक्षण संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा की। श्री सीएच. वेंकटेश्वर राव, उप महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष, जीएसआईटीआई ने पूरे भारत में जीएसआईटीआई द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रशिक्षण गतिविधियों के <mark>बारे में बताया और संस्थान</mark> की प्रशिक्षण गतिविधियों के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए एक विस्तृत प्रस्तृति दी। उन्होंने विभिन्न प्रशिक्षणों का वर्णन किया जो प्रशिक्षण संस्थान मुख्यालय, क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रभागों और क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों में एफ़एसपी के कार्यक्रमों के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं, जो क्षेत्र विशिष्ट और डोमेन विशिष्ट विषयों को पूरा करते हैं। माननीय मंत्री जी जीएसआई के बाहर अन्य हितधारकों की क्षमता सुजन के बारे में जानने के लिए भी उत्सुक थे। श्री सीएच. वेंकटेश्वर राव, उप महानिदेशक एवं प्रमुख, मिशन- V ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया

और राज्य और केंद्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों की एक विस्तृत सूची दी, जो जीएसआईटीआई द्वारा संचालित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों से लाभान्वित हुए हैं। माननीय मंत्री जी विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विकासशील देशों के विदेशी प्रतिभागियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे। माननीय मंत्री जी ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के तहत 71 देशों के 433 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देने में जीएसआईटीआई द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

श्री सीएच. वेंकटेश्वर राव, उप महानिदेशक एवं प्रमुख, मिशन- V ने यह भी बताया कि प्रशिक्षण संस्थान ने अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों में भारत सरकार की नई पहल के अनुरूप कार्य किया है। भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 75 सप्ताह तक चलने वाले समारोह के हिस्से के रूप में जीएसआईटीआई ने विशेष रूप से आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 154 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए हैं, जिससे देश भर में 22,018 प्रतिभागियों को लाभ हुआ है। सिविल सेवकों के लिए क्षमता सृजन कार्यक्रम के रूप में केंद्र सरकार की एक नई पहल एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईजीओटी) के आलोक में जीएसआईटीआई ने खान मंत्रालय की ओर से पहले ही 7 पाठ्यक्रम अपलोड कर दिए हैं। उप महानिदेशक एवं प्रमुख, मिशन- V ने मंत्री जी को बताया कि जीएसआईटीआई ने अमृत काल के दौरान देश को आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए भावी भू-वैज्ञानिकों हेतु महत्वपूर्ण और सामरिक खनिजों पर विशेष जोर देने के साथ खनिज अन्वेषण पर प्रशिक्षण देने की पहल की है।

प्रशिक्षण गतिविधियों पर चर्चा के बाद, माननीय मंत्री श्री जोशी ने दक्षिणी क्षेत्र की खनिज अन्वेषण गतिविधियों और जीएसआई, दक्षिणी क्षेत्र में नीलामी योग्य खनिज अन्वेषण ब्लॉकों की तैयारी के बारे में पूछताछ की। माननीय केंद्रीय मंत्री को दक्षिणी क्षेत्र में चल रही परियोजनाओं और अन्वेषण परियोजनाओं की प्रगति के बारे में अवगत कराया गया। उन्हें नीलामी योग्य जी2/जी3 ब्लॉकों और राज्य सरकारों को पहले ही सौंपे गए भूवैज्ञानिक ज्ञापनों के बारे में भी जानकारी दी गई। माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने नीलामी के लिए अधिक संख्या में जी 2 ब्लॉक विकसित करने और 500 ब्लॉकों को पैन-इंडिया के लक्ष्य को प्राप्त करने पर जोर दिया। माननीय केंद्रीय मंत्री ने सतत विकास को ध्यान में रखते हुए देश के सकल घरेलू उत्पाद में खनिज क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने पर भी जोर दिया। श्री संतोष कुमार त्रिपाठी, उप महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) एवं आरएमएच-IV, दक्षिणी क्षेत्र, डॉ सुब्रत चक्रवर्ती, उप महानिदेशक, राज्य इकाई: तेलंगाना, श्री सत्य नारायण महापात्रो, उप महानिदेशक और आरएमएच-II, दक्षिणी क्षेत्र, डॉ मैथ्यू जोसेफ, उप महानिदेशक, जीएसआईटीआई, श्री अंशुमन आचार्य, उप महानिदेशक एवं आरएमएच-I और III, दक्षिणी क्षेत्र, श्री बा अजय कुमार, निदेशक (पीएसएस), जीएसआई, दक्षिणी क्षेत्र और श्री एस पी भूतिआ, निदेशक (टीसी), जीएसआईटीआई ने तकनीकी चर्चा में भाग लिया।

श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री ने छात्रावास सुविधाओं, खनिज व शैल उद्यान तथा डॉ एम एस कृष्णन सभागार सिहत जीएसआईटीआई परिसर का दौरा किया। सभागार में माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने रासयानज्ञों हेतु 17वें अभिविन्यास पाठ्यक्रम के लिए नव नियुक्त प्रशिक्षुओं से मुलाकात की। उन्होंने प्रशिक्षुओं के साथ संवाद किया और उनसे प्रतिक्रिया ली और अपना आशीर्वाद दिया। श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री ने औपचारिक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया और परिसर में एक आम का पौधा लगाया। बाद में मंत्री ने "भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न" नामक पुस्तिका का विमोचन किया जिसमें आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

के तहत जीएसआईटीआई द्वारा संचालित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का विवरण दिया गया है। श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री ने प्रभावोत्पादक जीएसआईटीआई परिसर का दौरा करने पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किए गए प्रशिक्षण हेतु प्रयासों की सराहना की।

Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Cabinet Minister for Parliamentary Affairs, Coal and Mines, Government of India, made his maiden visit to the Geological Survey of India Training Institute (GSITI), Hyderabad on 25th August 2022. Hon'ble Shri Pralhad Joshi was extended a warm welcome by Shri Ch. Venkateswara Rao, Dy. DG and Head, Mission-V in the premises of GSITI. The Minister was felicitated by Shri Santosh Kumar Tripathi, Dy. DG & HOD, SR (incharge) and RMH-IV, Southern Region on behalf of GSI, Southern Region, Shri Ch. Venkateswara Rao, Dy. DG and Head, Mission-V, on behalf of GSITI and Dr. Mathew Joseph, Dy. DG, GSITI on behalf of Regional Training Divisions and Field Training Centers. The DDGs and Directors of GSI, Southern Region and GSITI were introduced to the visiting dignitary by the Dy. DG. The DDG and Head, Mission-V, narrated the history of GSITI to the Minister. Staff members of GSITI and SR, GSI also felicitated the Hon'ble Minister during the visit.

Later, the Minister took a review of the activities of the Training Institute. Shri Ch. Venkateswara Rao, Dy. DG & Head, M-V presented the spectrum of training activities rendered by GSITI all over India and gave an elaborate presentation covering the whole gamut of training activities of the Institute. He described various trainings that are being conducted as per field season programmes at the Training Institute headquarters, Regional Training Divisions and Field Training Centres that cater to the region specific and domain specific topics. The Minister was also keen to learn about the capacity building of other stake-holders outside GSI. Shri Ch. Venkateswara Rao, Dy. DG and Head, Mission-V explained elaborately on the gamut of training courses and gave a detailed list of the organizations from the State and Central Government, PSUs, academic and research institutes that have benefited by the training courses conducted by GSITI. The Minister was curious to know about the training programmes offered to the foreign participants from the developing nations sponsored by the Ministry of Foreign Affairs, Government of India. The Minister appreciated the efforts taken by GSITI in imparting training to 433 participants from 71 Nations under the Indian Technical and Economic Cooperation Programme.

Shri Ch. Venkateswara Rao, DDG and Head, Mission-V, also informed that the Training Institute has responded to the new initiatives of the Government of India in its training activities. As part of the 75 week-long celebrations to commemorate 75 years of Indian Independence, GSITI has conducted 154 training courses exclusively under the Azadi Ka Amrit Mahotsav programme,

benefiting 22,018 participants across the country. In response to the Integrated Government Online Training Programme (iGOT), a new initiative of the Central Government as a capacity building programme for the Civil Servants, GSITI has already uploaded 7 Courses on behalf of the Ministry of Mines. The DDG and Head, Mission-V informed the Minister that GSITI has already taken initiative s for imparting training on Mineral Exploration with special thrust on Critical and Strategic Minerals to the future geoscientists of the nation during the Amrit Kaal to build an Aatmanirbhar Bharat.

Following the discussion on training activities, Hon'ble Shri Joshi enquired about mineral investigation activities of Southern Region and readiness of the auctionable mineral exploration blocks in GSI, Southern Region. Hon'ble Union Minister was apprised about the ongoing projects in Southern Region and progress of exploration projects. He was also briefed about the auctionable G2/G3 blocks and Geological Memorandums already handed over to the State Governments. Hon'ble Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Cabinet Minister emphasized on developing more number of G2 Blocks for auction and to achieve the targeted milestone of 500 blocks Pan-India. Hon'ble Union Minister also reiterated on enhancing the contribution of mineral sector to GDP of the country keeping in mind sustainable development. Shri Santosh Kumar Tripathi, Dy. DG & HOD, SR (in-charge) and RMH-IV, Dr. Subrata Chakraborti, Dy. DG, SU: Telangana, Shri Satya Narayana Mahapatro, Dy. DG & RMH-II, SR, Dr. Mathew Joseph, Dy. DG, GSITI, Shri Anshuman Acharyya, Dy. DG & RMH-I & III, SR, Shri B. Ajaya Kumar, Director (PSS), GSI, SR and Shri S. P. Bhutia, Director (TC), GSITI participated in the technical discussions.

Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Cabinet Minister visited the GSITI Complex including hostel facilities, exhibits of rocks and minerals and Dr. M. S. Krishnan Auditorium. In the auditorium, Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Cabinet Minister met the newly recruited trainees undergoing 17th Orientation Course for Chemists. He had an interactive session with the trainees and took feedback from them and conveyed his blessings. Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Cabinet Minister, took part in a ceremonious plantation event and graced with plantation of a mango sapling in the campus. Later, the Minister released the Booklet "Celebrating 75 Years of India's Independence" that details the training courses conducted by GSITI under the Azadi Ka Amrit Mahotsav programme. Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Cabinet Minister expressed his pleasure in visiting the impressive GSITI Campus and appreciated the training endeavors taken up by the Training Institute.

गतिविधियों की झलक / Glimpse of Activities





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर





Excellence Through Knowledge Sharing

प्रसारण के माध्यम से उत्कृष्टता की ओर